THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO.
MBB—1971—264-146

BUDDHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

MBB-1973-264
1. Film strip number

50
2. Source

MANTRASAMUCCAYA
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

.S. + 880 = A.D.
. Year in which MS was copied (Nepali Samvat and Christian Era)

SUMATIŚĪLA
6. Name of Scribe

NEPALI PAPER
Material (Palm leaf, etc.)

NEWARI
8. Script

16 cm. x 6 cm.
Size

5
10. Lines to a page

30
. Number of leaves in complete work

12. Missing leaves

SUMATIŚĪLA ŚAKYABHIKṢU
Author and Date of composition (if given)

14. Number of Chapters

Remarks Some collection of Mantras visualised in dream in front of Mañjuśrī, it is mentioned in this text.

१ ॐ संक्रुन२ विमल साल: मा स्ता जा व ह्रूँ ॥ ॐ संक्रुन२ वि
मल न ल्कि न मा ॐ ह्रूँ ॥ थू ग्ड घाल १ वा न सा: ह्रा गृ वा क्
या त सां: सं त स स्त त्र प्रु मा नं पू ष्य ॥ १ ॥ ॐ समल२
वि मल साल मा स्ता ज न्त प स्वा स्त: था ७ श्रा न सा ह्रा गृ धर्म्म
या त सां: कूल छि प्रु मा न नं पू ण्य द्द ॥ २ ॥ ॐ समन्न२ विमल स्म

नमो हूंव २ ॐ १ ह्रूँ ॥ धल १ ॥ वो नमो धर्म्मदान ह्रूं गूयानसां:

व ह्रिं क्लिं क्लिं गल ह्रिं पु मान पूज्य ॥ २ ॥ न न स्व त न्न: तिम

न स नै: मा हु ॐ ह्रूं य ह्रैं रु त: धल १ वो नमो: ध्यानयानसां तक

क्लिं ध्यान यानापूज्य ॥ ४ ॥ ॐ धल २ वैं धलस्वाहा धल १ वो

नो धर्म्म यानमो व ... या संस्कारामद्र ॥ ७ ॥ ॐ नमो सर्व्व तथ

गत: रु दय नगत: ॐ ह्रूं व्रु गिनि स्वाहा: धल १ कामि सत म

हस्त कालन्य ज्रर्म सय्या नागः अकर्मे पाप मोचन ह्रय्या ॥ ८ ॥ ॐ
नमो माहातल्नः पूलाचन्द्र आलं काल सर्धे ह्म मित्र ऊप्रत्कतूल थ
गताय ॥ थ्व वीनाय्या पूज्या नम हस्त्र चक्रवर्तिः नाजा ह्रयाजः जन्म
ह्रयदय् पूजा ॥ ७ ॥ ॐ नमो चन्द्र मञ्जु नः कोलं धनः तय्या ग
नाय ॥ थ्व पा नाह्न याःया पूज्य नं न कील वज्र सिधः सिधह्नयरा

प्रज्ञा॥ ८ ॥ॐ नमो सेपक्रु धर्मः सर्वकर्म्हि प्रतिलास्तः विन
त्रडिस्त्व नाजसमहु धः नाजायत अगताया॥ थगू वा नायाप
थ्य ॐ हजुन्मसं: पनजन्मसं: संख्यकर्म वृ थे थ्यायक दयज्ञा॥
२ ॥ॐ नमोन्नक्रोतिः त थ्यागता प॥ थगू वा नायाव्येप नो
सर्वयाधिः जपक्रलिः अकर्मः अधर्मः नासरूपज्ञाः अगनिप्र

देवं नमः श्रीः अक्षोभ्य मुनि स्वलउँः वासलापूजा ॥ १० ॥ ॐ न
मो श्री राकनरनित भगवानाय ॥ भगवानाया पञ्चन कोतिसहस्र
उन्मत्तयाडागःयाप सकलं हृदयकृयाआलिउँ ॥ ११ ॥ ॐ न
मो रत्नउँसम्भव नोः बुद्ध कोताविजिकम अमर्तसिद्ध भगवानाय ॥
भगवानाया पञ्चः श्रावयातः क्लेश वरवयानाल्हा काकृया याःउ

गपापनस्क्षक्षयंऊं॥ १२ ॥ॐ नमो भगवऊ सामलिजिनतविनस्य
तोनिम्हलुपानाभिनाःसंपनूलत थ्यागमकाय॥ ध्वबींनायापक्ष्यनंज्ञ
स्रीहम्मम्हलिनथ्धर्मे आस्त्राकृत्यवि ख्या नःउमलिनिज्ञबानायापक्ष्यङ्
॥ १३ ॥ॐ नमो भगवतेलक्षेनुतननःसंतां कोन्द्रितथ्य
पानिनेध्ममणायमःायपगबीनायापक्ष्यनःपंचमाहतापापकाष्ठिन

त ॥ १४ ॥ ॐ नमो भगवते समानन्तरावभासप्रभे संपूर्ण तथागता
यार्हते सम्यक्संबुद्धाय ॥ अथ वीनामाधेयं पस्याङ्गमग
पांशुयाम पापं मोचयति ॥ १५ ॥ ॐ नमो भगवते महानल
युम्बे संपूर्ण [illegible] अभिलिसिनन प्रतिभ तथागतायार्हते सम्यक्
संबुद्धाय ॥ अथ वीनामाधेयं समाननद्यकाः समाननद्यकायापा
ॐ नमो भगवते पूर्णधर्मश्रीमालावतंस [illegible] तथागतायार्हते सं
[illegible] कसंबुद्धाय ॥ अथ [illegible] नामापा [illegible] कावंकि [illegible]
नायापापं मोचयति ॥ १७ ॥
पं मोचयति ॥ १८ ॥ ॐ नमो भगवते [illegible] नन्त [illegible] तथा
गताया अर्हते सम्यक्संबुद्धाय ॥ अथ वीनामाधेयं [illegible]
[illegible] पं मोचयति ॥ १९ ॥ ॐ नमो भगवते [illegible] नाः त
तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय [illegible] नाः [illegible] नाः [illegible] ना तथा
गत [illegible] ॥ अथ वीनामाधेयं हिंसायां नायापापं मोच

हृदयं ॥ १९ ॥ ॐ नमो भगवते धर्मेन्द्रराज तथागतायार्हते सम्य
क्संबुद्धाय ॥ थुगु बाना याय थ्व गन्धर्व हि हृदया ॥ पाप मोचन
हृदयं ॥ २० ॥ ॐ नमो भगवते आयु कलस पानिः तथागतायार्ह
ते सम्यक्संबुद्धाय ॥ थुगु बाना याय थ्वनः अकालमृत्यु
मोचन हृदयं ॥ २१ ॥ ॐ नमो भगवते ॐ दुर्ध्वज तथागताय

वैतपत पगगाप्रविलतनातिनहंसन्यकवेधाय ॥ थ्यगलिवानाया
प्रध्यनः सर्वउपद्रवापः आहिाक्क नागनामसद्रूयूजं ॥ २२ ॥ ॐ
आतिसत नाजमगा त्याकतिप्रनादयं वजघासुधि कल्पत
ड्तसद्धनमसवलनकुलसुवसिधिवुध्वकें ज्ञाकादव
त्यारलक ॰ लि ॥॥ २२ ॥ ॐ वजकोचमाहाअंग्राहेन्द्र कहूफ ॥

॥ ॐ वज्र हूँ हौ ॥ हूँ फट् ॥ ॐ अः कंघ्य कय मा नक हुं नमा थ हुँ
हूँ फट् ॥ ॐ प्रक्षाल कर्ममा तज्ञा घत्य पुत्रिज हूँ फट् ॥ ॐ व
जाक्षेन किना अः सर्वविशुद्धं हूं फट् ॥ ॐ गहूं गयअनं वज्रा
हेनकृत हृह्वानः जोपि सालि लंसमः श्रीगिनिः दूदूर हूं
ध्या हूँ फट् ॥ २४ ॥ ॐ वज्रबंध सर्वदुष्कान नहुं फट् ॥ ॐ वृ

जमवैद्य ह्रानर ह्रूं फट् ॥ ओं वज्रमालाग्रहः सर्वा [illegible] धिः हूं फट् ॥

ओं ह्रिं प्रज्ञोज्ज्वल कृत वज्र क्रोध हः सर्वपापविघ्नः हूं ह्रूं फट् ॥ २ ओं

[illegible] सर्वत ध्यम [illegible] उष्णीष वज्र अनुलिलि स्वाहा ॥ ३ ओं नमः [illegible]

धामहीव ह्रांमक ह्रूं फट् फट् स्वाहा ॥ भगवान् निर्वाण नायका हूं वं

प्रदेश: आकाशचारिणि नगाधिप मर्दः ज्ञानि नागसंनिपात वज्र ज्वाला लेन

कयमरू सचित्रकृ पूजा ॥ ॐ आं वृ घ लगवो: वेनो चन ह्रौ ॥ ॐ
आं: अ क्ष र्थ ह्र ॥ ॐ आं: नव संख्व ह्रौं ॥ ॐ आं: असिलख्व ह्रौं ॥
॥ ॐ आं: श्र माचा सु यिहर्हरू ॥ ५ ॥ इति पंचवृ घ वाद्धि यन्त्र
मन्त्र ॥ ॐ आं वृ घ वियाति: ह्रौ ॥ ॐ आं: तिरिव: ह्रौ ॥ ॐ आं व
लरव: ह्रौं ॥ ॐ आं: कक्कर्द्र ह्रौ ॥ ॐ आं: कनकमनि ह्रौ ॥

ॐ आः कालाय हूँ॥ ॐ आः लोकमतिनि हूँ॥ ॐ तिसम्पद्वृध्य नाम
अनानि॥ २८ ॥ ॐ आः मायाविद्योः कितल्पचन हूँ॥ ॐ आः
यमीग्रिय हूँ॥ ॐ आः आकाशगर्भ हूँ॥ ॐ आः समन्तभद्र हूँ
॥ ॐ आः वज्रपानि हूँ॥ ॐ आः मैत्र्यकुमाललक्ष हूँ॥ ॐ आ
ः सर्वनिवर्नं निष्कंभि हूँ॥ ॐ आः क्षितिगर्भ हूँ॥ ॐ ति

त्रुहि बांधि मल्ल नाम धमलनि ॥ ७ ॥ ॐ नमो ता[illegible]मू[illegible]
यक्ष अगताया इन्द्र लक्षेभ्य कुसे वृ धाय: नं २ थंः ॐ मुनिमा
लामू निय लाद्धं ॥ २७ ॥ ॐ नमो भगवतेः पू[illegible]लोयक थ
गताया नहनैः संम कसं वृ धाय: ८६ थं ॥ ॐ केकनि २ ना
चनि २ प्रि ना चनि २ त्रासनि २ पुनिहलः सर्वकर्मपदपना

निस्स्वे सर्वज्ञानावलोकिते स्वाहा ॥ २८ ॥ ॐ नमो भगवते रत्नके
गर्भ इष्टपूर्व रत्नकेतुराजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय ॥ तद्यथा ॥ ॐ
सर्व [illegible] स्वाहा
॥ २९ ॥ ॐ नमो भगवते [illegible] [illegible]
नमः [illegible] राजाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय ॥ तद्य
था ॥ [illegible] [illegible] स्वाहा

४

श्मद्गानसंस्थानापत्रिका॥ ॐ सर्वसंस्थानेयालसाहूं [illegible] ग
तःनागनसम्पूर्णतः स्वरोबविष्णु हूं: महानक्षपानपानंयला
ता॥ २० ॥ॐ ह्रींवध्य स्महा ह्रींवध्य राजमरुत ला [illegible]॥ २१
॥ ॐ आगपक्षहूं॥ ॐ वागीश्वनीम॥ ॐ वं ॐ पालहूं॥ ॐ
नपवनशि॥ ॐ जेसादिंनम॥ ॐ वंकु महालाविनहूं

ह्व ॥ ॐ तान्न ह्रु मा न हु [illegible] ॥ ॐ मो ह्रां विय [illegible] हा ॥ ॐ
पतां निवृ [illegible] रां न ॥ स्तु [illegible] पप्र समलनयतालाहा ॥ २२ ॥ ॐ
प [illegible] विमला हूर ह्र ॥ ॐ मन्यौ याया लूषा ह्रू सः सकप [illegible]
पाप्रलावकस्वा [illegible] मायापाप माचन ह्रू पिडा ॥ २३ ॥ ॐ म
नियनिवा [illegible] न मलाप्रा मह [illegible] क्षः मां [illegible] ॥ २४ ॥

ॐ जं मिळावलाकिन्नर सिन क्ष्मीः आकर्षीन हुं हुं फ् फ् [illegible]

स्वाहा॥ २७॥ ॐ निर्मलविपुलयजयबलाः [illegible] हुं हुं फ्

फ् स्वाहा॥ २८॥ ॐ [illegible] [illegible] [illegible] यबलाविल

नः [illegible] हुं फ् फ् [illegible] स्वाहा॥ २९॥ ॐ [illegible]

[illegible] हुं हुं फ् फ् फ् स्वाहा॥ २८॥ ॐ नमो [illegible]

प्र या प्ता ॥ इ नमो [illegible] मुनिय: तथागत या २ हुं नि
मम [illegible] ॥ तद्यथा ॥ ॐ मुजिते: मुजिते जय हन २ म
ति: अवलोकिता कन २ महा [illegible] विद्धि: हन २ महा बोधिस
त्व बिज: हन २ जुम्लकं सत्व बोधि स्वाहा ॥ २६ ॥ [illegible] २
महा [illegible] स्वाहा ॥ ॐ [illegible] नि २ महा [illegible] स्वाहा ॥ अथ मैत्रेय ध्यानान

ति

:बानेबान· बीनाप्याह्ल· क्रुधलेसाः सर्व्वदुर्ग्गोनि सत्त्वानप्राप्य

नः अभूलनह्मानाविपाठी· दुर्ग्गोनिसलेनापाय मन्वालकः

बुद्धनाथः श्रीअक्षमूनिनः मैत्रिबोधिसत्त्वयानप्रामि

षविल॥ ४० ॥ ॐ नमोम[illegible] नमः सूत्राबनेम [illegible]

नश्रीसत्वाणा॥ क्षा॥ बाना नमस्कारयाक्साः शालाक्षेम

सह्रुनयानायापुह्य । ४१ ॥ ॐ नमोरत्नत्र [illegible] : नल

कंठत्रजायतथागता [illegible] रहतेसम्यक्संबुद्धाय ॥ तद्यथा ॥

ॐ अनेमहानलेःवज्ज्वलिकजपःसौहा ॥ नमादसर्वकु

कादनःसर्वनत्रय्राय ॥ नम [illegible] ग्रकरुडदर्गःसर्वसांतु

रणनास्वाहा ॥ घा ॥ घोनीःखे ऋडसमाःक्ववाकयाशनक्षिप्र [illegible]

मानंः स्वाहा ॥ ४२ ॥ ॐ विरजतम ह्रिप्रानि भलके अगजाति
हसनः मानर सुपर्णि विमल सगनगा ... ब्रै कैः जलि र सुष
विलोदि किः गु क्षिजाविश्ति कि ज हु खाहा ॥ ॐ जा निव जा हि
रवं नामिश्रानि हु हु हु ॥ ख्वा नाया हुलः ता नया का सुसिद्धि
॥ ४३ ॥ ॐ यवलहै ॥ श्वा नाया पंक्षः वालाष्ठि ज मोस या
नावाय भाव नरुय ॥ ॥ ॐ न वाल गव रुप्रल्या नामिना

याउँकेकः द्वतिकः ठ्वलिपिरालिलक्षिद्वतिनम रद्रि मयपर न
पारुगयवस्ये ग्रुद्रस्यु ग्रतिः ह्वपिकि रालिवीतिर ग्रुनतिन्हत
निरहरसपर स्यातु ॥ ध्म ११ ॥ बीनायार्हनः नजामत महद्धे
दिःवजकुनकपुह्लापालमिलाः वानाउाःउतिंह्लता ॥ उँहरि
नह्मवन नवामरे ग्रान्ह्नू द्रे नः ॥ पश्चुमनपाःमाग्रन ॥ पंचप
पकुदनरुयाउा; ननकसदानपनिउ ध्म नरुयाउानि ॥ ४४ ॥

नग्य थो॥ [illegible] ह्रीं॥ मं [illegible] कौलौ॥ थवा नैंवा नःत्नमनकुस
ःसर्व्व कार्य्यसिद्धि वा ८५ ॥ ॐ [illegible] ह्रूं विह्रा [illegible]
ति नं विनलः [illegible] नंःञ्ज [illegible] स्वाहा॥ ॐ विनी [illegible] रत्वा [illegible]
दसं कृमनपं यमह्तापाप माञ्नन कृयजः थयायञ्ञ वा ८८ ॥ ॐ
[illegible] यमा ह ह्रू ह्ल वाः ह्रू [illegible] खान्त थ ग तः द्र वर्ह तवं नं का
णिलाय ९ वा दि महा [illegible] वनी॥ ॐ ञ्ज सिकानयद्र जपना

जिनः सर्वग्रलनामप२हनर२ ह्रूं२ हैं२ हः२ स्वाहा॥ प्रणिमीनाह
दयं॥ ४७ ॥ ॐ नमश्चण्डवज्रजीवाय हूं२ शिखर२ वज्र२ हन
जीवितं हूं२॥ वज्रजाग्निनिधापनिं॥ ४८ ॥ ॐ नानकुनाम
नन [illegible] स्थानः पुष्टिं कुरु [illegible] स्वाहा॥ तफलावनिता
नायाध्यानहिता॥ ४९ ॥ ॐ नन [illegible]
ॐ तत्कुरु२ हूं॥ ध्म३ नवी नाया प्रत्यया व्यारब्धानसद्भुधा ५० ॥

पुना ४

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्व सर्वतथागताय अर्हते सम्यक्संबु-
द्धाय॥ तद्यथा॥ ॐ [illegible] रमते वज्रः [illegible] ॐ [illegible]
महावज्रे [illegible] वज्र महाबोधि [illegible] महावज्रः [illegible]
के [illegible] ज्ञान [illegible] निर्वर्त्त स्वाहा॥ [illegible] वज्रकायात्मनः
पूर्वस्यां समद्य॥ ५१ ॥ ॐ नमः सर्वबुद्धानां असमसमपदस्थ
[illegible] कायगतिं गता नां नाम सर्वे [illegible]

नैं ह्रं वं स्वाहा॥ नन स्वा तो॥ हृ हू स्वाहा॥ ज्ञा वकर्य नाव न तन्त्र

॥ ॐ सर्व तथागत महाज्ञानि नरे हं ॥ अनन्त फनवज्रे ह्रदय ॥

५२ ॥ ॐ नमो भगवते सर्व्वदुर्गतिपरिशोधनराजाय तथाग

ताया र्हते सम्यक्सम्बुद्धाय ॥ तद्यथा ॥ ॐ शोधने शोधने सर्वपापवि

शोधने शुद्धे विशुद्धे सर्वकर्मावरण विशोधनि स्वाहा ॥

नः सर्वावस्य नंविनी॥ धनल नि १८५॥ पंचविंसवें नावन न्द्र
स्य॥ जाइ॥ [illegible] १९॥ सर्व्व ग ध्वा गगक ह्रस्या॥ ८ [illegible]
ऋणाबान ह्या नंसूर्लि वांसि लं नःसंह वाय सर्व्व धस्य गगन न [illegible]
लगु प्रालि [illegible] धर्मद धातु हुानपर्हि श्या॥ जावज सलल हस्तनयमन
यानय [illegible] जन जसल त्व तें नप्र निस्था हुःखं म्यारव मृत कृा मरव

सूपश्यामरूवः जनूनकीर्ति महेवः सर्वे सिद्धिमः प्रयच्छ सर्वक
र्मकृच्छ्राविलैः श्रीयंदक्वृद्ध ह ह ह ह हः लगवनसवैतथ्यजाक
वऊनानयमक्षर्वजिलवनरतोसमवस्नलं वैयस्त्रा॥ ज ४॥ जैं
सौतिरमहासौनियस्वाहा॥ ॐ मक्षिपः हं॥ ॐ व कुमहाला
मनरू ह्रूॐ नानकूनानहुमसाहा॥ ५ जा॥ ॐ नमाने

त्रयाय नमः आर्यज्ञानसागरवैरोचनव्यूहराजाय तथागता
य नमः सर्वतथागतेभ्यः अर्हद्भ्यः सम्यक्संबुद्धेभ्यः नमो
आर्यावलोकितेश्वराय ।। बोधिसत्त्वाय महासत्त्वाय महाका
रुणिकाय ।। तद्यथा ।। ॐ धरधरा धिरि धुरु धुरु इट्टे वट्टे चले च
ले प्रचले कुसुमे कुसुमवरे इलि मिलि चिटि ज्वलमापनाय स्वा
हा ।। १ कल्पदस समन्ताकल्पद्रुमश्री नाम धारणी ।। ५८ ।। श्री

ॐ आः वज्रधृक हूं हूं ॥ ॐ ज्ञाः म हूं । ॐ ख्रिः ४६ ॐ मानवप्र
हूं हूं ॥ ॐ ड्रिं ह्रिं विकृतो नन हूं हूं ॥ ॐ ॐ मालाक हूं हूं हूं
ॐ कर्मनाशा सर्वेशमयमसदानुनयारस्थालिनिःयकृ
ॐ कृनिनामय हूं हूं हूं हूं स्वाहा ॥ ५० ॥ ॐ ग्रावक हूं हूं
नक हूं हूं हूं ॥ रोकिनिज्ञान सम्भवं स्वाहा ॥ वज्रहेवनया
हृदय ॥ ५८ ॥ ॐ वज्रवैरोचनिय हूं हूं हूं ॥ ॐ नमो वज्र

डाकिनि यः वज्र वर्द्धनि यः वज्र वैलोचनि यः हूँ हूँ फट् स्वाहा ॥
सुगतीया हृदय ॥ ५९ ॥ ओं सर्व्व वज्र डाकीनि यः वैज्रवर्द्धनि
यः वज्र वैलोचनि यः हूँ हूँ फट् स्वाहा ॥ ६० ॥ ओं आः हूँ ज्ञानं ओं
हिपुरुष हूँ ॥ ओं वज्र ज्ञान ज्वालनि यः हूँ डाकिनि यः वज्र वैलोचनि
यः हूँ हूँ ॥ ओं धून धून धून नाशय स्वाहा ॥ हृदि निसन्न वज्रीय
हूँ हूँ ॥ ज्ञानानि यान्हृदय ॥ ६१ ॥ ओं नमो हे गणनाथ कालेन ज्ञान

॥ ॐ आः हूँ हाः स्वाहा ॥ ॐ जाँ जूँ ठूँ जूँ जा स्वाहा ॥ ७२ ॥

ॐ भ्रां कामवज्रं हूँ फट् ॥ [illegible] ॐ हूँ विश्वमाता हूँ फट् ॥ ॐ

वज्रवाराहि आवेशय स्वः स [illegible] ज्ञानं जीः स्वाहा ॥ ॐ नमो ह

रावज्राय भूः वज्राय ॥ ॐ द्रव विद्रु [illegible] वज्र हूँ फट् स्वाहा ॥ ॐ वज्र

कर्म्मं लिन वज्राय हूँ फट् स्वाहा ॥ ॐ आः ४ यं हूँ फट् स्वाहा ॥

ॐ [illegible] स्वाहा ॥ ॐ [illegible]
[illegible] स्वाहा ॥ ॐ [illegible]
[illegible] स्वाहा ॥ ॐ [illegible]
[illegible] स्वाहा ॥ [illegible]
[illegible] स्वाहा ॥ ॐ [illegible] स्वाहा ॥ ८३ ॥ ॐ

हुं हुं स्वाहा॥ ॐ ख्रुं हुं स्वाहा॥ ॥ॐ ज्रां ३ ज्रीं ह्रूं हूं ॥ॐ क्षुक्षु उ
किलि नि स्वा ज्रीं क्ष्रूं॥ ॥ॐ. ज्रीं ३ विवि ठि कृ ला नन हुं हूं फट्
स्वाहा॥ ॐ हुं सससम ॥ ॐ सर्व विकिन रक्षां विमन नस्वाहा॥ ॐ क्षुम
ज्रीं हुं हुं फट्॥ निलम ईंकृ ज्रीं याकृदय ॥ क्लींब वालिः ३ प्रुं ग
नः कृ सो हः ह्रां मल्व रुंग नंग्म क्षु हुं रव लठ कं: लगं बत हुं हूं

स्वाहा ॥ ॐ कमलनयनवक्षसे नमः कमलनयस्वाहा ॥ ॐ त्रिसिंहनम्ब्रीकि

स्वाकिनि नामधानद्ग्नि ॥ ७४ ॥ ॐ श्रीं ह्रीं क्लिव ठ्लिलिं मनोमा

लिङ्गी क्लीं वाचि त्रिनद्वदरकसुनमःनफ्वषा स्तलवमानयःस्वंन्दव

स्वस्वा ॥ यद्वयाद्दयः ॐ ह्रीं क्रौं ॥ त्रिकानयाह्रदयः ॥ ॐ वजयो

निहयग्रीवकमलनहृस्वाहा ॥ ७७ ॥ ॐ ह्रानज्ञाकिनिस्मनन

निजिजाताय नःस्वाहा ॥ ॥ ग्लों श्लं क्रोंः ग्लौंः नक्षं ल्लोंः ग्लोंन

क्षा थं स्थोः छ्रवलन कक्षभाः न क्षी ज्स्वत थं स्योः [illegible] हूं

[illegible] महाकालजक्रत्रविघ्ना

नविनायक हूं हूं २ हूं २ स्वाहा ॥ ॐ कान नूप हूं हूं ८ ॥ ॐ याम्

स्तुः हूं हूं ॥ ॐ मकाल हूं [illegible] ॥ ॐ श्रं महाकालाय हूं हूं ८ स्वा

हा ॥ ॐ महाकाल वि कैलाल न [illegible] विनियम [illegible] न क्रि तिः लिं

ग नि ८ वि हूं स्याहूं ॥ ॐ [illegible]

मानम हूं फट् ॥ ७७ ॥ ॐ न[illegible]यमस विकेतल नंः[illegible]दाव[illegible] ॥

॥ अगलयमजं ॥ ॥ सर्व्वस क्रूं मानयम हूंय हूं फट् स्वाहा ॥

माहा जं कं त्रि त्रि आ[illegible] जल हूं हा हूं ॥ ॐ थि लि नि तिः ॐ सि

लि नि[illegible] ध्वनध फट् फट् [illegible] ॥ ॐ [illegible] स्वाहा ॥ ॐ [illegible]वनाय स्वा

हा ॥ ॐ [illegible]नाय स्वाहा ॥ ॐ [illegible]नाय स्वाहा ॥ ॐ [illegible]

[illegible] स्वाहा ॥ ॐ वि[illegible] स्वाहा ॥ ॐ [illegible]विका[illegible]

नामिनामानकालिंदं नाद्रं ॥८७॥ यानमः स्तमस्तम्वृद्धानांअ
विध्यानन्तुन्पिनिाऽ नान स्वाहा॥ विद्यावध्य पड़ापिगुध्या
ननिा॥ त्रकनकज्जिनजायमवृद्धानवृद्धहतामनिषर्द्दकम
ध्या॥ त्रकंमनवनधनमनकमकुंः हर्षध्यनिमस्याभिवर्द्धजि
न्याहिःहडनान्त्रिपुनिध्यानताजानामधानतनि॥ ८८॥ ॐ न

नाभगवत्यैः आर्य्य सहस्त्रीकाप्रज्ञापारमितायै ॥ तद्यथं ॥ ॐ
न्नमो रत्नत्रयाय धर्म्मतत्व हाधर्म्मसमस्तनिर्वि: सर्व्वकार्य्यसन्नी
क्रमधर्म्म ॥ तद्यथा ॥ ह्रिं स्रां ह्रां फि: वज्रप्रतिसर्व्व धवधा
त्तिनिप्रज्ञापारमितेः स्वाहा ॥ अतसहस्त्रीकाप्रज्ञापारमिता
नाम धारणी समाप्त ॥ ३४ ५१ ॥ ॐ नमो भगवत्यै प्रज्ञाप्रमि
तिकाप्रज्ञापारमितायै ॥ तद्यथा ॥ ॐ प्रज्ञ महाप्रज्ञ सर्व

मे प्रज्ञा तर्दहा नम नमो नम ब्रह्मा प्रके ः सम सकन सिकल सिका
सित ॐ जू घ २ क म २ ल घ २ स न २ घ न २ व न २ ग ज्ञा कि ड स्वाहा
॥ॐ तिपकविसनिका प्रज्ञापाल सिता नाम ध्यालनि हृदय स
माप्त॥ ७० ॥ ॐ नमो भगवत्यै आर्याय जयमसन्तिका प्रज्ञ
पालमितायै॥ तद्यथा॥ ह्रीं सर्व विजय धिजय स्वाहा॥ आर्य्याज्म
न्म सहस्त्रिका नाम हृदय समाप्त॥ ७१ ॥ ॐ नमो भगव

गः आर्य्य अमितसत्वः सहस्रिका प्रज्ञापारमिता र्य नामधारनी
॥ नद्य थ॥ ॐ मुनि २ महामुनिये स्वाहा॥ आर्य्य अमितसत्व प्रज्ञा
पारमिता हृदय नामधारनि समाप्त॥ ७२ ॥ ॐ न
मा सर्व्वतथागत हृदयः ॐ नमो भगवते उष्णीषाय सर्व्वतथागत हृ
दय अनुगताः ॐ कुरु गिनि स्वाहा॥ यक जनाउत्राननःकार्

सर्व्वेःकल्प उन्म सयानापाप माठनक्षयडो ॥ ७३ ॥ ॐ नमो
म ह्रैं श्री संदेस कथाः आर्य्य प्रह्लापानमिता ॥ गद्य था ॥ ॐ ग
नगातिपानेगतपासेगयवाय स्वाहा ॥ ७४ ॥ महाश्रीकथा
ॐ नमो भमन्जु स्वाय: वोधिसत्वाय महासत्वाय माहाकारु
निकाय ॥ गद्यथा ॥ ॐ नमो हन्नेसत्वाय स्वाहा ॥ उपनिमृचम
धर्मामधालनिसमाफ ॥ ७५ ॥ यकवार धर्म्म ३ वानेसा

पंकमात्तपापभावहरय॥ ॥ॐनमोभगवतेकालानलरूप
णिनेऽऽः भ्रलकनुनाऽऽयनथागमायानेतुं नमस्यक्रूवधाय
हिंसायानायापापभावन॥ ७४ ॥ॐनमोभगवतेऽप्रति
वनेमालपष्यकनुनाऽऽयनथागमायाहुं नमस्यक्कंवधाय॥
॥यानियाऽस्मापकेमात्तपापःदसांकसनभावनरय। ७७॥

ॐ नमो भगवते मेवकुतननथर्म्मपानिधनः तथागतायार्हे
र्हन्ते सम्यक्संबुधाय ॥ यनिवीनायाप्र छ्षः ऊद्यगाय कान न
पद्मयकाग्रः हर्यकाग्रपापनानश्यंऊ॥ ७८ ॥ ॐ नमो भ
गवतेः प्रहसन्द्रिनप्रदर्शनालिनयः सत्वत्तरत्रपानिमिताय:
तथागतायार्हते सम्यक्संबुधाय ॥ यावीनायाप्रध्वसर्वक्लिदाह

कर्म्म याना पाप माव लड्यडा ॥ ७९ ॥ नमो भगवते नवत
ग्निनां समस्तक्रूरघ कार्यानी। अन्तर्यामः सकलसर्व्वज्ञानाग्नि
न दिव्य क्रारमा नां करगरा कायनी ॥ यथवीनायाप्रबद्
धसरिवम सकलेंबा नायाध र्म्मेघतिड् ॥ ८० ॥ नमो भगव
ते प्रदीप्त [illegible] वडारा यथगतापा रहनाः समस्तक्लि पूर्वयम्
कातिक र्त्यं व नकुथा नायाः तरहधर्म्मे तोलनाया सधगनयाकि

सघा नक्कु नायामा म॰ अवूरुपिंता धिदा वि पा गुया भवया क
कोरव वरवमाना धा। कुं थ नामा॰ धर्मकील क्ह नाया। अकुलियाना
या। यजु धाल नि॰वि हिरि नया नाउा॰ त्रि नलयाम उमयाना
उाव्राद्मा॰ अगिनसमानपञ्चह ।। ८१ ।। मातागनप मोते
वने स त्येदि साह॰ गुक ने साध नयाहरु न जाधं को॰ ०.त्वेन

ग्र्मून तकिं ता वया नाङा पि का लि तया हु ला ॥ ४२ ॥ ॐ
नमो भगवते वैरोचन नाम व लो कि न न ना जा य या भ त थाग
ताय ॥ अर्हते सम्यक्संबुद्धाय ॥ नमो समन्तभद्र ॰ बोधिसत्वाय
महासत्वाय ॥ ॐ पाडे क्रिवज्र व बोधिचि निस्वाहा ॥ ॐ धन २ धन २
ॐ यम मष स्वाहा ॥ धम १ ः वाना ऊ आ ह्रायाँ गु पाप या मसां नः

लिकक्षिप्रमानलपद्यदपूआ ॥ ८२ ॥ नमानलक्रमा
पःक्रिलनयाप्रगवनजिनरु नासांअमथनेलमलामनि
जिन नायधनथंथ्याजिकर्मघर्मलकनजिनसिलजिन
नपघवाधिसवायमाहृपद्यनहवसपहृदिगसांकुन
स्वनेघनधर्मध्याजुमलमनजिरुनाज्याकालहागन्मआरा

लसांनेःथ म्हल्ह्याःतिथिरुल माव कं मरुः दवःसविनःआ
तिरव ह्यार्थे वि ग्याकरुानीय्यकं धर्म्मवज धुन रुका नह्मनिति
ओस ना ख नव्याःसाकोलिक्काः म्हश्रा स मडुना मगन्ह नहपन
माःथ्युगुलिपु ह्मकद्ल मनया नाधका आह्ना प्रसंनहलाप्पयुग
धर्म्मन ज्वनि प्रसंसाल माह्र लिक्कःउद्ध वव्याःधेगागमावन

ह्यमालाधर्म[illegible]कायवाय माला[illegible] ॥ ॐ निवधर्म्मकुपूर्ण्यपन
नाऊंह्र्लिनाहाविहानपूर्ण्यपनवस्किन ह्मनिनिला॥सादे
लिकुह्यया॥सर्वेऊगकानि॥ह्मूते मगल ले वं कुसर्वेऊगकानू
॥ ॥ शुभमगलं लवंकु सर्वेऊगकानु ॥ ॥ ॥
ओं नमो वागीश्वराय ॥ प्रणम्य नाथः वललनालविंडः संवृद्धम

स्त नें: कुरु-लेस्क नाय: अ संख्य पम्न वङ्कं: अर्थ नाय: त्व वङ्कं
स्त व नं ज्ञानपारसङ्गः॥१॥ ॥